हिंदी (०४)

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ तथा एन.सी.एफ. २००५ के अनुसार उच्च माध्यमिक हिंदी पाठ्यक्रम निश्चित किया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों को सामाजिक समस्याओं का निराकरण करने के उपाय, वैज्ञानिक सोच, व्यावहारिक तथा व्यावसायिक कौशल, राजनीतिक, साहित्यिक तथा सामाजिक गतिविधियाँ आदि के प्रति सचेत करने की दृष्टि से पाठ्यक्रम में कुछ नूतन उद्‌भावनाएँ की गई हैं । छात्रों को जनसंचार माध्यमों से परिचित कराते हुए हिंदी भाषा के अनुप्रयोग के प्रति सचेत करने के लिए कुछ उपक्रम भी सुझाए गए हैं।

इस स्तर पर केवल हिंदी भाषा पढ़ाना उद्देश्य नहीं है बल्कि शील-संपन्न नागरिक निर्माण करने हेतु विविध वैयक्तिक, सामाजिक, राजनीतिक मूल्यों का परिचय कराना भी महत्वपूर्ण होता है अत: साहित्य तथा पाठों के माध्यम से मूल्य संस्कार का उद्‌देश्य सफल हो सकता है।

प्रस्तुत स्तर के पाठ्यक्रम के उद्‌देश्य निम्नलिखित हैं।

१) हिंदी भाषा की संरचना तथा व्याकरण के मूलतत्वों के ज्ञान को विस्तृत करना।

२) हिंदी के शब्दभंडार की अभिवृद्धि तथा उसके अनुप्रयोग की योग्यता का विकास करना।

३) भाषा की मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में कुशलता प्राप्त करके छात्र की निजी स्वतंत्र शैली का विकास करना।

४) वाक् प्रतियोगिता, भाषण, कलामंच-संचालन, संवाद आदि से परिचित करना।

५) साहित्य पाठों के माध्यम से छात्रों में सौंदर्यबोध तथा कलात्मक बोध का विकास करना।

६) भारत की सांस्कृतिक विशेषताओं का परिचय देते हुए समता, राष्ट्रीयता, बंधुता, वैश्विक एकता आदि भावों का पोषण करना।

७) साहित्य की विविध विधाओं के माध्यम से संबंधित साहित्यकारों तथा उनकी विभिन्न शैलियों का परिचय देना। हिंदी साहित्य के इतिहास का स्थूल परिचय देना।

८) वैश्वीकीकरण के परिप्रेक्ष्य में अनूदित साहित्य का परिचय कराना। साथ ही छात्रों में अनुवाद की क्षमता विकसित करना।

९) राजभाषा के रूप में हिंदी के शासकीय तथा व्यावहारिक रूप का परिचय देना।

१०) जनसंचार माध्यमों की भाषा के रूप में हिंदी की विविध प्रयुक्तियों का ज्ञान देना। सी.डी., डि.व्ही.डी., इंटरनेट पर प्रस्तुत पूरक साहित्य का परिचय देना।

कक्षा ११वीं

१. गद्‌य : १२ पाठ : ८० पृष्ठ

कहानियाँ	७
निबंध	२
एकांकी	१
हास्य, व्यंग्य/संस्मरण	-
विज्ञान/पर्यावरण/रेखाचित्र	२
जीवनी आदि	
	१५

२. पद्‌य - १० कविताएँ/२५० तक पद्‌य पंक्तियाँ

मध्ययुगीन :	४	३
आधुनिक :	१०	७
	१४	

३. पूरक पठन : कुल ७ पाठ हास्य-व्यंग्य रचनाएँ

वैज्ञानिक/औद्‌योगिक आदि	७
हास्य व्यंग्य रचनाएँ	
	७

४. रचना विभाग -

निबंध - २०० शब्दों तक करना।

- चित्र वर्णन
- सारांश लेखन -
- पत्रलेखन
  - व्यावसायिक/कार्यालयीन पत्र
  - साक्षात्कार/ भेंटवार्ता

- पारिभाषिक शब्दावली

*अनुवाद

५. व्याकरण

१) कालपरिवर्तन : सामान्य, पूर्ण, अपूर्ण

२) वाक्यों के भेद : सरल, संयुक्त, मिश्र

३) अव्यय पहचानना : क्रियाविशेषण, संबंध- सूचक समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक

४) मुहावरे

वाक्य शुद्धीकरण = मात्रा, लिंग, वचन, कारक क्रिया

सूचना के अनुसार काल परिवर्तन

६. संवाद कौशल

❖❖❖

कक्षा १२ वीं

१. गद्य : १२ पाठ : ८० पृष्ठ

कहानियाँ	७	६
निबंध	४	२
हास्य-व्यंग्य	२	२
विज्ञान/पर्यावरण	१	२
संस्मरण/रेखाचित्र आदि		
	१५	१२

२. पद्य – १० पद्य पंक्तियाँ २५०

मध्ययुगीन : ४

आर्वाचीन : १०

१४

३. पूरक पठन : कुल हिंदी विविधा पाठ – ६

हिंदी विविधा – विविध विधाओंके ६ पाठ

४. रचना विभाग –

निबंध – २०० शब्दों तक

अपठित गद्य खंड का आकलन

सारांशलेखन –

पत्रलेखन – व्यावसायिक / कार्यालयीन

साक्षात्कार / भेंटवार्ता

पारिभाषिक शब्दावली,

वृतांतलेखन, विज्ञापन।

अनुवाद / चित्रवर्णन

५. व्याकरण

१) वाक्य भेद – सरल, संयुक्त, मिश्र

२) कालपरिवर्तन : सामान्य, पूर्ण, अपूर्ण

३) वाक्य शुद्धीकरण, मात्रा, लिंग, वचन, कारक क्रिया

४) मुहावरे

❖❖❖